सितम्बर

12 मुहावरे (Idioms)

दूध-जलेबी देखकर मोहन के मुँह में पानी आ गया।

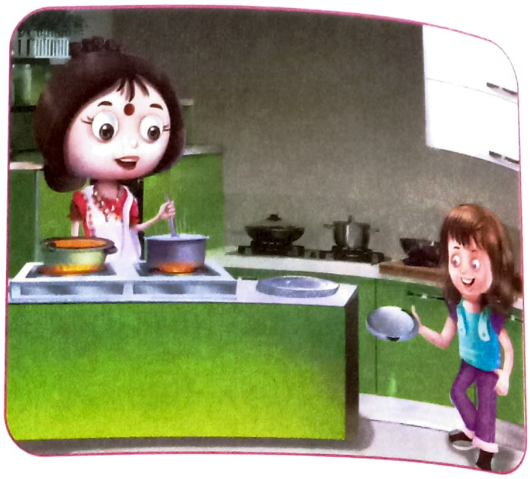

माँ! मुझे जल्दी खाना दो, पेट में चूहे कूद रहे हैं।

ऊपर दिए गए रंगीन वाक्यांशों का सामान्य से अलग विशेष अर्थ है-

'मुँह में पानी आना' का मतलब है मनपंसद चीज़ को खाने के लिए मन ललचाना। यहाँ आवश्यक नहीं कि मुँह के अंदर पानी भर ही जाए।

इसी तरह पेट में चूहे कूदने का विशेष अर्थ है- बहुत भूख लगना। वास्तव में न तो पेट में चूहे होते हैं, और न ही वे वहाँ धमा-चौकड़ी मचाते हैं।

इस प्रकार कुछ वाक्यांशों के अर्थ सामान्य न होकर विशेष होते हैं। विशेष अर्थ प्रकट करने वाले ये शब्द-समूह मुहावरे कहलाते हैं।

ऐसा शब्द समूह जो साधारण अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करता है, मुहावरा कहलाता है।

भाषा में मुहावरों का विशेष महत्त्व है-

- मुहावरों के प्रयोग से भाषा सुंदर और असरदार बनती है।
- मुहावरे सुनने और बोलने में मज़ेदार लगते हैं।
- मुहावरे भाषा को नई ताकत देते हैं।

आइए, सबसे पहले शरीर के अंगों पर आधारित कुछ मुहावरे पढ़ें-

मुहावरा	अर्थ	वाक्य
1. आँखों का तारा	बहुत प्यारा	आप सभी बच्चे हमारी **आँखों के तारे** हैं।
2. अंधे की लाठी	एक मात्र सहारा	रमा अपनी नानी के लिए **अंधे की लाठी** के समान है।
3. हाथ बँटाना	मदद करना	आओ, हम उसके काम में **हाथ बटाएँ**।
4. अपने पाँव पर आप कुल्हाड़ी मारना	अपना नुकसान आप करना।	उसने अपनी कलम तोड़कर अपने **पाँव पर आप कुल्हाड़ी मार** ली।
5. पीठ थपथपाना	शाबाशी देना	बुढ़िया की मदद करने पर सबने रमा की **पीठ थपथपाई**।
6. आसमान सिर पर उठाना	बहुत शोर करना	अध्यापक के कक्षा से बाहर निकलते ही बच्चों ने **आसमान सिर पर उठा लिया।**
7. कान पर जूँ न रेंगना	कोई असर न होना	पापा ने रजत को रोज़ सुबह जल्दी उठने को कहा, मगर उसके **कान पर जूँ तक नहीं रेंगी।**